18 दिसंबर 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

जांच के बीच 40 लाख का भुगतान: हाउसकीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया पर बक्सर में फिर घिरा शिक्षा विभाग 2

एक नजर

मनरेगा का नाम बदलने का मतलब गांधी की दूसरी हत्या : चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में कांग्रेस नेता ने कहा कि पहले बीजेपी भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करने के पीछे लगी थी। वहीं अब भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को निशाना बना रही है। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलने को लेकर बीजेपी की निंदा की है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस योजना का नाम बदलना गांधी की दूसरी हत्या है। कांग्रेस का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी, विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक को मनरेगा का नाम बदलने के उद्देश्य से लाई है। पी. चिदंबरम ने साल 2004 के बजट में इस योजना का एलान किया था। यूपीए सरकार के समय में ये योजना लागू की गई। पी. चिदंबरम ने मनरेगा का नाम बदलने की योजना को गांधी की दूसरी हत्या करार दिया है। पी. चिदंबरम ने कहा कि बीजेपी महात्मा गांधी को लोगों की स्मृति से मिटाने की कोशिश कर रही है। वे चाहते हैं कि गांधी का नाम लोगों के जीवन में फीका पड़ जाए।

अहमदाबाद के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में 7 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की सूचना सामने आई। धमकी मिलने पर गुजरात पुलिस में हड़कंप मच गया। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और बम की तलाशी के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया। जानकारी के अनुसार विद्यालयों को धमकी भरा संदेश मिलने के बाद स्कूल प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी। धमकी की जानकारी मिलते ही संबंधित विद्यालयों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्कूल प्रबंधन ने तत्काल एहतियाती कदम उठाए। सभी विद्यार्थियों को छुट्टी दे दी गई और शिक्षकों व स्टाफ की निगरानी में बच्चों को सुरक्षित रूप से स्कूल परिसर से बाहर निकाला गया।

एक्स्ट्रा लगेज पर देना होगा अधिक भुगतान : रेल मंत्री

- अब स्टेशन पर ही तुलेगा सामान, श्रेणीवार अधिकतम सीमा तय
- सेकंड क्लास में 35 किलोग्राम वजन ले जा सकता है
- लोकसभा में सांसद वेमिरेड्डी प्रभाकर रेड्डी के सवाल पर रेलमंत्री ने दिया जवाब

एजेंसी। नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार, को लोकसभा में बड़ी जानकारी दी है। लोकसभा में प्रश्न के जवाब में अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अब ट्रेन में एक्स्ट्रा लगेज ले जाने पर यात्रियों को अतिरिक्त शुल्क देना होगा।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में घोषणा की कि ट्रेन में अतिरिक्त सामान ले जाने पर यात्रियों को अतिरिक्त शुल्क देना होगा। सांसद वेमिरेड्डी प्रभाकर रेड्डी के सवाल के जवाब में रेल मंत्री ने यह जानकारी दी। लोकसभा में सांसद वेमिरेड्डी प्रभाकर रेड्डी ने अश्विनी वैष्णव से ट्रेन में अतिरिक्त सामान ले जाने पर सवाल पूछा। इस सवाल के जवाब में रेल मंत्री ने एक्स्ट्रा लगेज पर शुल्क देने की बात कही है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अभी के समय में कंपार्टमेंट में यात्री द्वारा अपने साथ ले जाने वाले सामान की श्रेणीवार अधिकतम सीमा तय की गई है। रेल मंत्री ने सदन में ये जानकारी लिखित में शेयर की। अब यात्रियों को यह ध्यान रखना होगा कि निर्धारित वजन सीमा से ज्यादा सामान ले जाने पर अतिरिक्त भुगतान करना पड़ेगा।

सेकंड क्लास के लिए 35 किलोग्राम

संसद में पेश की गई जानकारी के मुताबिक, अगर कोई यात्री सेकंड क्लास में सफर कर रहा है, तो वह अपने साथ ज्यादा से ज्यादा 35 किलोग्राम वजन ले जा सकता है, जो कि बिना किसी शुल्क के लिए ले जाया जा सकता है। अगर आप इससे ज्यादा भार का सामान ले जाना चाहते हैं, तो 70 किलोग्राम तक वजन ले जा सकते हैं. इस अतिरिक्त सामान को ले जाने पर यात्री को शुल्क जमा करना होगा। स्लीपर क्लास के यात्री 40 किलोग्राम तक सामान फ्री में ले जा सकते हैं। वहीं इस कंपार्टमेंट में सफर करने वाले यात्रियों के लिए 80 किलोग्राम वजन तक का सामान ले जाने की अनुमति होगी।

एसी 3 टायर में 40 किलोग्राम

ट्रेन में जो यात्री एसी 3 टायर या चेयर कार में सफर करते हैं, वो ज्यादा से ज्यादा 40 किलोग्राम वजन तक का ही सामान ले जा सकते हैं और उनके लिए लिमिट भी यही है। इसी प्रकार हर श्रेणी के लिए अलग-अलग वजन तय किया गया है। इस बात की उम्मीद जतायी जा रही है कि हर रेलवे स्टेशन पर वजन करने की मशीन लगायी जाएगी। प्लेटफार्म पर आने वाले यात्रियों के समान का वजन होगा।

प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के 8 नए ऑर्डर

एजेंसी। नई दिल्ली

नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण के स्तर को प्रभावी ढंग से रोकने में अधिकारियों द्वारा अब तक उठाए गए उपायों को पूरी तरह फेल बताया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जिस तरह से प्रदूषण पर नियंत्रण करने की जरूरत थी उस हिसाब से एक्शन नहीं लिया गया। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि तात्कालिक उपाय के साथ-साथ हमें दीर्घकालिक योजना की आवश्यकता होगी। सुप्रीम कोर्ट ने बीएस-क्ष उत्सर्जन मानकों से नीचे के पुराने वाहनों के खिलाफ दिल्ली सरकार को कार्रवाई की अनुमति दे दी है। उच्चतम न्यायालय ने एमसीडी को अपने नौ टोल प्लाजा को अस्थायी तौर पर बंद करने के संबंध में एक हफ्ते के भीतर फैसला लेने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को प्रतिबंधों के कारण खाली बैठे निर्माण श्रमिकों का सत्यापन करने और उनके खातों में धनराशि अंतरित करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से कहा कि वह प्रतिबंधों के कारण खाली बैठे निर्माण श्रमिकों को वैकल्पिक काम उपलब्ध कराने पर विचार करे। सुप्रीम कोर्ट ने सीएक्यूएम और एनसीआर के शहरों के प्रशासन से शहरी परिवहन और किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए प्रोत्साहन राशि देने जैसे मुद्दों पर विचार करने को कहा।

लोकसभा ने शांति विधेयक 2025 को दी मंजूरी

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भारत का बढ़ेगा दबदबा : मंत्री जितेंद्र

- परमाणु ऊर्जा के विरोध में विपक्ष ने किया वॉकआउट

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा ने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति देने के प्रावधान वाले विधेयक को विपक्ष के विरोध के बीच बुधवार को मंजूरी प्रदान की। सरकार ने ह्यभारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक, 2025ह्न को ऐतिहासिक करार दिया है तो विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसमें आपूर्तिकर्ता के उत्तरदायित्व का प्रावधान नहीं है तथा यह संवेदनशील क्षेत्र में निजी कॉरपोरेट समूहों के लिए रास्ता खोलने वाला है। परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह द्वारा विधेयक पर चर्चा का जवाब दिए जाने के बाद सदन ने विपक्ष के संशोधनों को खारिज करते हुए इसे ध्वनिमत से स्वीकृति दे दी। चर्चा का जवाब देते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान हैं, जो पहले भी थे, लेकिन सत्तापक्ष का विरोध करने के चक्कर में विपक्षी सदस्य अपने समय के प्रावधानों का विरोध कर देते हैं। उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र के लिए 37 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बजट है। मंत्री ने कहा कि यदि हमने 2047 तक 100 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा का लक्ष्य रखा है तो पूरा करने में परमाणु क्षेत्र महत्वपूर्ण है। सिंह ने कहा कि आज की दुनिया में अलग-थलग रहने का दौर खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि उन्हीं सुरक्षा उपायों को जारी रखा गया है जो प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के समय अमल में आए थे। सिंह ने यह भी कहा कि निजी क्षेत्र की भागीदारी होगी, लेकिन सुरक्षा का पूरा प्रबंध किया गया है। कुछ सदस्यों द्वारा 15 साल पहले भाजपा की ओर से अरुण जेटली द्वारा परमाणु ऊर्जा विधेयक के कुछ प्रावधानों का संसद में विरोध किए जाने का उल्लेख करने पर मंत्री ने कहा कि अब समय बदल गया है।

विपक्षी दलों ने किया वॉकआउट

कांग्रेस, द्रमुक, सपा समेत कुछ विपक्षी दलों ने मंत्री के जवाब पर असंतोष जताते हुए सदन से वॉकआउट किया। इससे पहले, सिंह ने विधेयक को सदन में चर्चा और पारित कराने के लिए रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही इस तरह के बड़े फैसले ले सकते हैं। परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री ने कहा, ह्यह्ययह एक ऐतिहासिक विधेयक है। संसद के इतिहास में वर्षों बाद कोई ऐसा क्षण आता है जब सदस्यों को ऐसा मौका मिलता है कि वे राष्ट्र की यात्रा को एक नयी दिशा दे सकें। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस विधेयक को मील के पत्थर के रूप में उल्लेखित किया जाएगा। सिंह ने कहा कि भारत की भौगोलिक स्तर पर भूमिका बढ़ रही है और ऐसे में हमें वैश्विक मानकों के अनुरूप होना होगा...दुनिया स्वच्छ ऊर्जा की तरफ बढ़ गयी है...बढ़ती ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए यह महत्वपूर्ण है।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने किया विरोध

विधेयक पर चर्चा की शुरूआत करते हुए कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने इसका विरोध करते हुए यह भी कहा कि इसे विस्तृत विचार-विमर्श के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2008 में जब ह्यह्यपरमाणु रंगभेद की नीतिह्नह्न को खत्म करने का प्रयास जा रहा था तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाकर भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को पटरी से उतारने का प्रयास किया था।

सीजेआई सूर्यकांत ने नियुक्त सात नए जजों का किया स्वागत

- कहा- इस मंडली का हिस्सा बनकर हो रहा गर्व

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने वर्ष 2025 में सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त सात नए न्यायाधीशों का बुधवार को स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जब न्यायाधीश एक स्वर में, सामूहिक विवेक और समझ के साथ काम करते हैं, तो संविधान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और भी मजबूत होती है। सीजेआई ने कहा कि जब वह इन नए न्यायाधीशों से बातचीत करते हैं, तो उन्हें उनके कानून और संविधान के गहन ज्ञान के साथ-साथ संस्था और आम आदमी के हित के प्रति गहरी प्रतिबद्धता दिखाई देती है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की तुलना एक विशाल गुम्बदनुमा संरचना से करते हुए कहा, 'हर न्यायाधीश उस संरचना का एक अलग पत्थर है, जिसे अलग-अलग अनुभवों और इतिहास ने आकार दिया है। हम सबकी अलग-अलग ताकतें ही इस इमारत को संतुलित रखती हैं। अगर एक भी पत्थर हटे, तो संतुलन बिगड़ सकता है। यह बात उन्होंने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की तरफ से आयोजित एक सम्मान समारोह में कही। इस अवसर पर जिन सात न्यायाधीशों को सम्मानित किया गया, उनमें जस्टिस के. विनोद चंद्रन, जस्टिस जॉयमाल्या बागची, जस्टिस एन. वी. अंजारिया, जस्टिस विजय बिश्नोई, जस्टिस ए. एस. चंदूरकर, जस्टिस आलोक अराधे और जस्टिस विपुल एम. पंचोली शामिल हैं।

तीन राज्यों में बारिश की संभावना, 13 शहरों में घने कोहरे

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में मौसम लगातार अपना मिजाज बदल रहा है। उत्तर भारत में शीत लहर और घने कोहरे से लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। कई जगहों पर दुर्घटना की खबर सामने आ रही है। दिल्ली में भी मौसम का मिजाज बदलेगा। वहीं, कुछ राज्यों में बारिश की भी चेतावनी जारी की गई है। मध्य-प्रदेश और राजस्थान के लिए मौसम विभाग ने टेंशन देने वाला अलर्ट जारी किया है। दिल्ली में प्रदूषण से लोगों की हालत खराब हो रही है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरल के कुछ जिलों में मध्यम से भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। मछुआरों को समुद्री किनारों से बचने के लिए कहा गया है। वहीं, आम लोगों को भी सावधान रहने के लिए कहा गया है। इस बारिश के चलते आसपास के राज्यों में तापमान में कमी आएगी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज, कानपुर, लखनऊ, अयोध्या, आगरा, बरेली और मुजफ्फरनगर में घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, हरियाणा के गुरुग्राम, पानीपत और सोनीपत में सुबह के समय घने कोहरे के चलते दृश्यता 50 मीटर से भी कम हो जाएगी। इसके अलावा पंजाब के चंडीगढ़ और अमृतसर में भी घना कोहरा छाया रहेगा। उत्तराखंड के मसूरी में सुबह के समय धूंध से लोगों की परेशानी बढ़ेगी। दिल्ली में कल यानी 18 दिसंबर को मौसम का मिजाज बदलेगा। सुबह से शाम तक आसमान में बादल छा सकते हैं।

डायट डुमरांव में भाषा शिक्षा को नई उड़ान, प्राथमिक शिक्षकों के लिए एमआईपी कोर्स का भव्य शुभारंभ

- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रिंट व संवाद आधारित भाषा विकास पर जोर, यूट्यूब लाइव से जुड़े सैकड़ों शिक्षक**

केटी न्यूज/डुमरांव

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को धरातल पर उतारने की दिशा में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), डुमरांव में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। डायट के माध्यम से जिले के शैक्षणिक सशक्तिकरण हेतु ह्यमाइक्रो-लर्निंग एंड इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम (एमआईपी)ह्न के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षकों के लिए प्रिंट एवं संवाद आधारित भाषा विकास परियोजना का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन हाइब्रिड मोड में हुआ, जिसका सीधा प्रसारण यूट्यूब पर भी किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, सर्व शिक्षा अभियान, चंदन कुमार द्विवेदी ने किया। उन्होंने कहा कि यह एमआईपी बक्सर जिले की शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। सभी शिक्षक दीक्षा प्लेटफॉर्म से नामांकन कर इस कोर्स को पूर्ण करें और इसे अपने विद्यालयों में प्रभावी रूप से लागू करें, ताकि बच्चों को सीधा लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि कोर्स की सतत मॉनिटरिंग जिला व प्रखंड स्तर पर की जाएगी और गुरु गोष्ठियों में इसकी प्रगति की समीक्षा होगी, जिससे बक्सर को ह्यलीडिंग डिस्ट्रिक्टह्न के रूप में स्थापित किया जा सके। डायट डुमरांव के प्राचार्य विवेक कुमार मौर्य ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह एमआईपी प्राथमिक स्तर पर भाषा कौशल के विकास के लिए शिक्षकों को समृद्ध समझ प्रदान करेगा। कोर्स के माध्यम से शिक्षक सरल, सहज और प्रभावी शिक्षण पद्धतियों को अपनाकर कक्षा में बेहतर परिणाम ला सकेंगे। कोर्स समन्वयक-सह-मेंटर नवनीत कुमार सिंह ने कोर्स की संरचना और विभिन्न चरणों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कोर्स बक्सर दीक्षा तकनीकी टीम और जिले के शिक्षकों के संयुक्त प्रयास से तैयार किया गया है, जो शिक्षकों की क्षमता संवर्धन में मील का पत्थर साबित होगा। राज्य तकनीकी टीम के नीरज दास गुरु ने कहा कि प्रिंट एवं संवाद आधारित मौखिक भाषा विकास का मुख्य उद्देश्य बच्चों की सुनने, बोलने और संवाद करने की क्षमता को मजबूत करना है। प्रिंट सामग्री बच्चों को भाषा के मानक स्वरूप से परिचित कराकर उनके संप्रेषण कौशल को सशक्त बनाती है। कोर्स क्रिएटर डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि संवाद आधारित गतिविधियों कहानी, कविता, गीत और नाटक के माध्यम से बच्चे भाषा को सहज रूप से सीखते हैं, जो उनके बौद्धिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास की मजबूत नींव रखता है। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन व्याख्याता भूपेंद्र सिंह यादव ने किया। इस अवसर पर डायट के सभी व्याख्याता, प्रशिक्षु, समग्र शिक्षा कार्यालय के पदाधिकारी और बक्सर जिले के सैकड़ों शिक्षक ऑनलाइन एवं यूट्यूब लाइव के माध्यम से जुड़े रहे।

डीएम के निर्देश पर शिक्षा विभाग से मांगा गया जवाब, स्थापना डीपीओ की भूमिका पर उठे गंभीर सवाल

जांच के बीच 40 लाख का भुगतान: हाउसकीपिंग एजेंसी 'फर्स्ट आइडिया' पर बक्सर में फिर घिरा शिक्षा विभाग

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के सरकारी विद्यालयों में हाउसकीपिंग कार्य के नाम पर करोड़ों के खेल की परतें एक बार फिर खुलती नजर आ रही हैं। जांच प्रक्रियाधीन रहने के बावजूद चयनित एजेंसी फर्स्ट आइडिया को लगभग 40 लाख रुपये का भुगतान किए जाने का मामला अब जिला प्रशासन के रडार पर आ गया है। इस पूरे प्रकरण में शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली और तत्कालीन स्थापना डीपीओ विष्णुकांत राय की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए है

पूर्व विधायक की शिकायत से गरमाया मामला

पूरा विवाद तब गहराया जब डुमरांव विधानसभा के पूर्व विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर नावानगर, डुमरांव और इटाढ़ी प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में हाउसकीपिंग एजेंसी के चयन और भुगतान में भारी अनियमितता का आरोप लगाया था। पूर्व विधायक ने साफ तौर पर यह आरोप लगाया कि एजेंसी को निजी हित में लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से, जांच के दौरान ही भुगतान कर दिया गया है।

प्रशासन ने मांगा तीन बिंदुओं पर जवाब

इसी कड़ी में वरीय उप समाहर्ता सह प्रभारी पदाधिकारी, जिला विकास शाखा, बक्सर गौरव सिंह (बीएएस) ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को कड़ा पत्र जारी करते हुए भुगतान से जुड़े अहम सवालों पर स्पष्ट और तथ्यात्मक जवाब मांगा है। पत्र में पूछा गया है कि क्या भुगतान से पहले सभी विद्यालयों से संतोषजनक सेवा संचालन प्रमाण पत्र लिया गया था। जब एजेंसी चयन की जांच चल रही थी, तब भुगतान करने की क्या विधिक बाध्यता थी तथा क्या हाउसकीपिंग एजेंसियों के चयन को लेकर जिलाधिकारी का अनुमोदन लिया गया था या नहीं।

जांच के दौरान पहले भुगतान पर बवाल

सबसे अहम और चौंकाने वाला तथ्य यह है कि जांच की आंच तेज होने के बावजूद सबसे पहले फर्स्ट आइडिया एजेंसी को भुगतान कर दिया गया था। सूत्रों के मुताबिक, यह भुगतान तत्कालीन स्थापना डीपीओ विष्णुकांत राय के अंतरराश (अंतरिम व्यवस्था) के माध्यम से किया गया था। उस वक्त ही यह सवाल उठा था कि क्या स्थापना डीपीओ पर कथित शिक्षा माफिया अजय सिंह और अरविंद सिंह का दबाव था, जिसके चलते जिस एजेंसी के अवैध तरीके से चयन की जांच चल रही हो उसे जानबूझकर लाभ पहुंचाया गया।

तब कार्रवाई नहीं, अब जवाबदेही तय होगी

हैरानी की बात यह है कि उस समय शिक्षा विभाग के किसी भी अधिकारी द्वारा स्थापना डीपीओ या संबंधित अफसरों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। लेकिन अब, जब फर्स्ट आइडिया एजेंसी का चयन ही रद्द कर दिया गया है और भुगतान को लेकर जिला प्रशासन ने औपचारिक रूप से शिक्षा विभाग से जवाब तलब किया है, तो एक बार फिर पुराना मामला सुर्खियों में आ गया है।

अब निगाहें कार्रवाई पर

प्रशासनिक गलियारों में चर्चा है कि यह मामला सिर्फ प्रक्रिया की चूक नहीं, बल्कि सोची-समझी साटगांठ का भी हो सकता है। ऐसे में यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि क्या जांच के दौरान गलत तरीके से भुगतान करने वाले तत्कालीन स्थापना डीपीओ विष्णुकांत राय के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई होती है या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा।

फिलहाल, जिला प्रशासन के सख्त रुख के बाद शिक्षा विभाग की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। दिशा की बैठक से पहले मांगे गए जवाब इस पूरे प्रकरण की दिशा तय करेंगे और यह भी कि शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त कथित माफिया तंत्र पर कोई वास्तविक चोट होगी या नहीं।

डुमरांव एनएच-120 मरम्मत में अनियमितता का आरोप, संवेदक पर कार्रवाई की मांग

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव-विक्रमगंज पथ एनएच-120 के मरम्मत कार्य में भारी अनियमितता का आरोप लगाते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व जिला मंत्री राजीव भगत ने संबंधित संवेदक के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि सड़क मरम्मत के नाम पर मानकों की खुलेआम अनदेखी की गई है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

राजीव भगत ने बताया कि स्टेशन से लेकर ट्रेनिंग स्कूल के बीच मात्र लगभग 20 स्थानों पर सड़क की खुदाई कर पीसीसी ढलाई कर दी गई, जो तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं थी। निर्माण के कुछ ही समय बाद पुनः निर्मित पीसीसी सड़क टूट चुकी है और जगह-जगह धंसाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस सड़क मरम्मत के लिए करीब एक करोड़ 30 लाख रुपये का प्राक्कलन था, जिससे एक अच्छी और टिकाऊ सड़क का निर्माण संभव था, लेकिन संवेदक ने विधानसभा चुनाव की अधिसूचना का लाभ उठाकर आधा-अधूरा कार्य कर पिछले तीन महीनों से काम बंद कर दिया है। उन्होंने आगे कहा कि भले ही बारिश का मौसम न होने से सड़क पर जलजमाव नहीं दिख रहा है, लेकिन नालियों का पानी सड़कों के नीचे घुस चुका है, जो भविष्य में बड़ी क्षति का कारण बन सकता है। मरम्मत कार्य में घटिया किस्म की सामग्री के उपयोग के कारण पीसीसी में दरारें आ गई हैं। पुराने नगर परिषद कार्यालय के पास पुल का निर्माण भी अधूरा छोड़ा गया है। अर्धनिर्मित पुल पर करीब एक फीट का गैप बना हुआ है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। पुल निर्माण अधूरा रहने से जल निकासी की समस्या भी बनी हुई है।

कांग्रेस नेता अभय मिश्रा के बाबा इंद्रासन मिश्रा के निधन पर सोनवर्षा में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला सोशल मीडिया कांग्रेस अध्यक्ष अभय मिश्रा के बाबा, स्व. इंद्रासन मिश्रा के निधन पर उनके पैतृक गांव सोनवर्षा में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों, कांग्रेस कार्यकताओं एवं गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

श्रद्धांजलि सभा के मुख्य अतिथि बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे ने स्वर्गीय इंद्रासन मिश्रा के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि वे दूरदर्शी, सरल स्वभाव और समाज में भाईचारे की मिसाल कायम करने वाले व्यक्तित्व थे। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय मिश्रा का जीवन सामाजिक समरसता, सहयोग और मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण रहा। उनके निधन से न केवल परिवार, बल्कि कांग्रेस पार्टी और समाज को अपूरणीय क्षति हुई है।

सभा को संबोधित करते हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य डॉ. प्रमोद ओझा ने कहा कि स्वर्गीय इंद्रासन मिश्रा जैसे लोग समाज की रीढ़ होते हैं, जिनका योगदान हमेशा स्मरणीय रहेगा। किसान प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष संजय कुमार पांडे ने भी उनके सामाजिक योगदान को याद करते हुए उन्हें सच्चा समाजसेवी बताया।

श्रद्धांजलि सभा में राजारमन पांडे, महिमा शंकर उपाध्याय, संजय कुमार दुबे, पप्पू दुबे, रोहित उपाध्याय, रविंद्र राय, महेंद्र चौबे, शैलेंद्र मिश्रा, झब्बू दुबे, कमलकांत पांडे, संजय ठाकुर, सरपंच संजय मिश्रा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि स्वर्गीय इंद्रासन मिश्रा का जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगा।

कार्यक्रम के अंत में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। सभा में मौजूद लोगों ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया और इस दुख की घड़ी में हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

बक्सर में विकसित भारत युवा सांसद 2026 का भव्य आयोजन

- **आपातकाल के 50 वर्ष पर युवाओं ने लोकतंत्र के सबक को शब्दों में पिरोया**

केटी न्यूज/बक्सर

महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय, बक्सर के सभागार में ह्यविकसित भारत युवा सांसद 2026ह्न कार्यक्रम के तहत ह्नआपातकाल के 50 वर्ष, भारतीय लोकतंत्र के लिए एक सबकह्न विषय पर विचार-विमर्श सह भाषण प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को देश के लोकतांत्रिक इतिहास से जोड़ते हुए संवैधानिक मूल्यों, नागरिक अधिकारों और संसदीय परंपराओं के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सह जूरी सदस्य सदर विधायक आनंद मिश्रा रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का ऐसा अध्याय है, जिसने देश को यह सिखाया कि नागरिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा कितनी आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से इतिहास के अनुभवों से सीख लेकर लोकतंत्र को और मजबूत बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. कृष्णा कान्त सिंह ने की। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग ही लोकतंत्र की असली ताकत है और ऐसे मंच युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों की तार्किक सोच और विषय की गहराई से प्रशंसा की।

विचारों की प्रतिस्पर्धा में दिखी युवाओं की गंभीरता

भाषण प्रतियोगिता में जिले व बाहर के विभिन्न महाविद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने आपातकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उसके प्रभाव और उससे मिले लोकतांत्रिक सबकों को तथ्यपरक, प्रभावशाली और आत्मविश्वासपूर्ण अंदाज में प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की भूमिका और नागरिक अधिकारों पर गहन विमर्श किया, जिसे श्रोताओं ने खूब सराहा।

जूरी द्वारा किए गए मूल्यांकन के आधार पर प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए गए। प्रथम स्थान नुरी सुमित्रा (कॉलेज डुमरांव) ने प्राप्त किया, जबकि द्वितीय स्थान विजय लक्ष्मी (वीएचयू) और तृतीय स्थान प्रवीण सिंह (आर्ट्स कैम्पस, पटना) को मिला। इसके अतिरिक्त विराज सिंह, कृष्ण मुरारी सिंह, सलोनी कुमारी, मुस्कान सिंह, रक्षा कुमारी, पायल कुमारी एवं अंजली कुमारी ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया।

शैक्षणिक सहभागिता ने बढ़ाई गरिमा

कार्यक्रम में जूरी सदस्य के रूप में जिला युवा पदाधिकारी कोमल निगम, एनएसएस समन्वयक डॉ. साधना रावत एवं कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. वीरेंद्र प्रसाद उपस्थित रहे। साथ ही इतिहास विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह, दर्शनशास्त्र विभाग के डॉ. अवनीश पांडेय, डॉ. नवीन शंकर पाठक, डॉ. प्रिय रंजन चौबे, डॉ. प्रियेश रंजन, डॉ. श्वेत प्रकाश, डॉ. अर्चना कुमारी, डॉ. वीरेंद्र कुमार, डॉ. राकेश तिवारी, डॉ. विभा श्रीवास्तव सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकगणों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, वहीं प्रतिभागियों और दर्शकों ने इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायी मंच बताया।

डुमरांव के देवी डिहरा गांव में इंसानियत की जीत, पुत्र की याद में अल्पसंख्यक समुदाय को कब्रिस्तान हेतु भूमि दान

केटी न्यूज/डुमरांव

चौसा प्रखंड के देवी डिहरा गांव से इंसानियत, सामाजिक सौहार्द और गंगा-जमुनी तहजीब को जीवंत करने वाली एक ऐसी कहानी सामने आई है, जो आज के दौर में उम्मीद की नई रोशनी बनकर उभरी है। जब समाज में धर्म और जाति के नाम पर दूरी बढ़ने की चर्चा आम है, उसी समय गांव के निवासी जनार्दन सिंह ने अपने निजी दुख को सामाजिक सरोकार में बदलते हुए ऐसा कार्य

किया, जो पूरे क्षेत्र के लिए मिसाल बन गया।\ अपने दिवंगत पुत्र की स्मृति में जनार्दन सिंह ने अल्पसंख्यक समुदाय के लिए एक बीघा भूमि कब्रिस्तान के रूप में दान कर दी। यह केवल जमीन का दान नहीं, बल्कि इंसानियत, समानता और आपसी सम्मान का मजबूत संदेश है। उन्होंने इस भूमि को अपने पुत्र के नाम पर ह्लशिवम धाम कब्रिस्तानह्व के रूप में समर्पित किया, जो आने वाले वर्षों तक भाईचारे की पहचान बना रहेगा। दरअसल, देवी डिहरा गांव में अल्पसंख्यक समुदाय के लिए कब्रिस्तान की कोई स्थायी व्यवस्था नहीं थी। पूर्व में अतिक्रमण और दबंगई के कारण कब्रिस्तान की जमीन समाप्त हो चुकी थी। इसके चलते समुदाय के लोगों को अपने परिजनों के अंतिम संस्कार में गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कई बार भय और असुरक्षा के माहौल में उन्हें अनुपयुक्त स्थानों पर शव दफनाने के लिए मजबूर होना पड़ता था, जिससे मानवीय गरिमा को ठेस पहुंचती रही। इस मानवीय पहल की जानकारी मिलने पर जनता दल यूनाइटेड की प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा देवी डिहरा गांव पहुंचीं। उन्होंने जनार्दन सिंह और उनके परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और इस निर्णय को संविधान की मूल भावना के अनुरूप बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्य समाज को जोड़ने का काम करते हैं और यह साबित करते हैं कि इंसानियत किसी एक धर्म या जाति की मोहताज नहीं होती। गांव में इस फैसले को लेकर सकारात्मक माहौल है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए सामाजिक समरसता और न्याय की प्रेरणा बनेगी।

नवादा मॉब लिंचिंग के खिलाफ डुमरांव में उबाल, भाकपा (माले) इंसाफ मंच का विरोध मार्च, कानून-व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

केटी न्यूज/डुमरांव

नवादा जिले के रोह थाना क्षेत्र अंतर्गत भट्टा गांव में फेरीवाले मोहम्मद अतहर हुसैन की बर्बर मॉब लिंचिंग के विरोध में बुधवार को डुमरांव में जोरदार विरोध मार्च निकाला गया। भाकपा (माले) और इंसाफ मंच के संयुक्त आह्वान पर निकले इस मार्च में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आम लोग शामिल हुए। मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों ने भीड़तंत्र, सांप्रदायिक हिंसा और प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ नारेबाजी की और दोषियों को सख्त सजा देने की मांग की।

वक्ताओं ने कहा कि 5 दिसंबर को भट्टा गांव में हुई घटना बिहार में कानून के शासन पर सीधा हमला है। मोहम्मद अतहर हुसैन को सिर्फ मुस्लिम होने के संदेह में भीड़ ने घेर लिया और अमानवीय यातनाएं दीं। उन्हें बेरहमी से पीटा गया, गर्म औजार से दागा गया, कान काटे गए, उंगली तोड़ी गई और निजी अंगों में पेट्रोल डाला गया। अधमरी हालत में छोड़ने के बाद उल्टे उन पर चोरी का झूठा मुकदमा दर्ज कर दिया गया। इलाज के दौरान 12 दिसंबर को उनकी मौत हो गई।

प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि पुलिस, जिला प्रशासन और चिकित्सकीय स्तर पर हुई गंभीर लापरवाही के कारण अतहर हुसैन की जान गई। यदि समय रहते निष्पक्ष कार्रवाई और बेहतर इलाज मिलता, तो उनकी जान बच सकती थी।

मार्च को संबोधित करते हुए नेताओं ने बताया कि घटना के बाद भट्टा गांव और आसपास के इलाकों में भय का माहौल है। गांव में रहने वाले 10-15 मुस्लिम परिवार दहशत में हैं और खुलकर बोलने की स्थिति में नहीं हैं। आरोप लगाया गया कि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है, जिसके कारण अब तक उनकी पृष्ठभूमि की गंभीर जांच नहीं की गई है।

योगी मॉडल के खिलाफ चेतावनी

वक्ताओं ने कहा कि गृह मंत्री सम्राट चौधरी के कार्यभार संभालने के बाद बिहार में मॉब हिंसा और बुलडोजर कार्रवाई की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। यदि एनडीए सरकार बिहार में योगी मॉडल लागू करने का सपना देख रही है, तो यह राज्य की सामाजिक एकता, भाईचारे और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए बेहद खतरनाक होगा। इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा और इसका लोकतांत्रिक तरीके से जोरदार प्रतिवाद किया जाएगा।

राज्यव्यापी प्रतिवाद का ऐलान

भाकपा (माले) और इंसाफ मंच ने इस घटना को लेकर 16 दिसंबर को राज्यव्यापी प्रतिवाद का आह्वान किया है। इसके तहत बिहार के सभी जिलों में धरना, प्रदर्शन और विरोध सभाएं आयोजित की जा रही हैं। डुमरांव का मार्च इसी कड़ी का हिस्सा था। प्रदर्शन के दौरान माले ने भाजपा-सत्ता संरक्षित सांप्रदायिक हिंसा पर तत्काल रोक लगाने। मोहम्मद अतहर हुसैन की हत्या में शामिल सभी दोषियों की अविलंब गिरफ्तार कर उन्हें कड़ी सजा दिलाने। पीड़ित परिवार को सुरक्षा, न्याय और 25 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए। अतहर हुसैन पर झूठा मुकदमा दर्ज करने वाले तथा दोषी पुलिसकर्मियों और अधिकारियों पर कार्रवाई हो। बुलडोजर कार्रवाई और भीड़तंत्र पर तत्काल रोक लगाने तथा गृह मंत्री सम्राट चौधरी राज्य की कानून-व्यवस्था पर सार्वजनिक रूप से जवाब देने आदि मांगे की गई। इस विरोध मार्च में भाकपा (माले) नेता कृष्णा राम, भगवान दास, जाबिर कुरैशी, बाबूलाल राम, मो. नासिर हसन, पूजा कुमारी, रतन शर्मा, सुरेश राम, धर्मेंद्र सिंह, रिंकू सहित कई कार्यकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि भीड़तंत्र, नफरत और दमन की राजनीति के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा और जब तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल जाता, आंदोलन और तेज किया जाएगा।

एक नजर

शराब की खेप के साथ कारोबारी गिरफ्तार

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने नगर के छठिया पोखरा के समीप से एक कारोबारी को शराब की खेप के साथ गिरफ्तार किया है। उसके पास से फ्रूटी पैक शराब बरामद हुआ है। गिरफ्तार कारोबारी की पहचान लालबाबू कुमार पिता बबन प्रसाद के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि छठिया पोखरा के समीप एक व्यक्ति शराब की होम डिलीवरी कर रहा है। इस सूचना पर तत्काल एक टीम भेज छापेमारी करवाई गई, इस दौरान उसके पास से शराब की खेप मिली। जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि उसके खिलाफ मद्य निषेध अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

गैंगरेप की फर्जी खबर पर पूरी रात हलकान हुई डुमरांव पुलिस

डुमरांव। मंगलवार की देर शाम एक महिला से गैंगरेप की फर्जी घटना ने डुमरांव पुलिस को खासे परेशान किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सर्द रात में पुलिस प्रशासन ने पूरी तत्परता दिखाई। खुद थानाध्यक्ष मामले की पड़ताल में जुट गए तथा पूरी रात परेशान रहे, लेकिन मामला खोदा पहाड़, निकली चुहिया वाला साबित हुआ। बता दें कि मंगलवार की देर शाम एक महिला ने तीन लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगा स्थानीय थाने में शिकायत की। इस दौरान महिला के अलावे उसके स्वजन भी पुलिस पर आरोपितों को पकड़ने का दबाव बना रहे थे। लेकिन, पीड़िता महिला के बयान पर पुलिस को शुरू से शक हो रहा था। पुलिस ने जब महिला को लेकर घटना स्थल का मुआयना किया तो महिला तथा उसके स्वजनों द्वारा पूर्व में बताई बातों में काफी अंतर मिला। वहीं, महिला भी अपना बयान लगातार बदल रही थी। हालांकि, आरोप बेहद गंभीर था तथा उसके स्वजन लगातार पुलिस पर दबाव बना रहे थे, जिसके बाद थानाध्यक्ष महिला पुलिस पदाधिकारियों के साथ उसे लेकर बक्सर महिला थाना पहुंचे। जहां, महिला पुलिस ने जब गहराई से पूछताछ शुरू की तो मामला कुछ और निकला। जिसके बाद महिला अपने आरोप से पीछे हटने लगी। जाहिर है, महिला द्वारा लगाया गया आरोप फर्जी निकला, लेकिन महिला की स्थिति को देखते हुए थानाध्यक्ष ने उसे चेतावनी भर दे छोड़ दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि महिला के बताए जगह पर रात दो बजे तक छानबीन की गई थी, लेकिन कुछ भी तथ्य नहीं मिला। बाद में सच्चाई सामने आने के बाद महिला को दुबारा ऐसी गलती नहीं करने की चेतावनी दी गई। हालांकि, इस घटना ने डुमरांव पुलिस को खासे परेशान किया तथा ठंडी रात में डुमरांव से बक्सर तक खाक छानने को मजबूर कर दिया था।

जर्जर भवन में बनता है आधार कार्ड, दे रहा दुर्घटना को दावत

डुमरांव। प्रखंड कार्यालय परिसर के जिस भवन में आधार कार्ड बनाने का कार्य किया जाता है, जर्जर हो चुका है। यह भवन क्वार्टर के रूप में पहले उपयोग में लाया जाता था, लेकिन जब यह जर्जर हो गया तो फिर इसमें कोई नहीं रहता था। खाली पड़े रहने के कारण इसमें आधार कार्ड बनाने के रूप में उपयोग होने लगा। बुधवार को जेएसएस सत्येन्द्र कुमार ने इसका निरीक्षण किया। उन्होंने बताया की बीडीओ संदीप कुमार पांडेय से मिल इस भवन को बदलने के लिये अनुरोध करेंगे। विदित हो जब प्रखंड कार्यालय को तीन मंजिले नये भवन में शिफ्ट किया जा रहा था तब लोगों और उसमें कार्य करने वाले लोगों की यह उम्मीद थी की इसकों भी किया जाएगा, लेकिन नहीं किया गया। मालूम हो कि बरसात के दिनों में भवन के छत से पानी तो टकता ही है, इसके आगे जलजमाव की स्थिति बन जाती है, जिससे कतारबद्ध लोगों को पानी में खड़ा होकर काम करवाना पड़ता है।

अब गंगा स्नान के लिए कीचड़युक्त रास्ते से मिलेगी मुक्ति, 14 लाख की लागत से नाली व पीसीसी सड़क का निर्माण

केटी न्यूज/चौसा

चौसा नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या 7 स्थित मल्लाह टोली घाट शिव मंदिर से गंगा तट तक श्रद्धालुओं को अब कीचड़ और दलदल भरे रास्ते से होकर नहीं जाना पड़ेगा। नगर पंचायत द्वारा लगभग 14 लाख रुपये की लागत से नाली निर्माण एवं पीसीसी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे गंगा स्नान करने जाने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। नगर पंचायत की इस पहल से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। वर्षों से श्रद्धालु और स्थानीय निवासी गंगा तट तक पहुंचने के लिए कच्चे, कीचड़युक्त और फिसलन भरे रास्ते से गुजरने को मजबूर थे। बरसात के दिनों में स्थिति और भी बदतर हो जाती थी, जिससे बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को काफी परेशानियों का

सामना करना पड़ता था। जानकारी के अनुसार पीसीसी सड़क और दोनों ओर पीसीसी नाली का निर्माण किया जा रहा है, जिसे सीधे गंगा तट तक पूरा किया जाएगा। इससे न सिर्फ आवागमन सुगम होगा, बल्कि जलजमाव की समस्या से भी निजात मिलेगी। स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत का तहे दिल से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्माण कार्य लंबे समय से उनकी मांग थी। सड़क बनने से गंगा स्नान, पूजा-पाठ और अन्य धार्मिक कार्यों के लिए जाना अब आसान और सुरक्षित हो जाएगा। वार्ड पार्षद सह सशक्त समिति सदस्य चन्दन चौधरी ने बताया कि नगर पंचायत का उद्देश्य आम जनता को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि इस सड़क और नाली निर्माण से क्षेत्र का समग्र विकास होगा और श्रद्धालुओं को बड़ी सहूलियत मिलेगी।

लापरवाही : वार्ड 18 में एक साल से अधिक समय से नहीं हुई है नाली की सफाई

- **पिछले साल बनाने के साथ ही टूट गया था महाराज पेट्रोल पंप के सामने नाली पर बनाया गया स्लैब, नाली में मलबा फंसने बाधित हो गया है जलनिकासी, मोहल्लेवासियों में गहराया आक्रोश**

केटी न्यूज/बक्सर

डुमरांव नगर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है, खासकर नालियों की साफ-सफाई तथा रख रखाव के प्रति नगर परिषद प्रशासन की उदासीनता लोगों की परेशान का सबव बन गया है। जबकि नगर परिषद प्रशासन हर माह सफाई के नाम पर 90 लाख रूपए से अधिक खर्च कर रहा है। नगर परिषद की यह लापरवाही वार्ड 18 स्थित कमल नगर मोहल्ले में देखी जा सकती है, जहां पिछले एक साल से नाली का पानी अवरूद्ध हो गया है। नाली में पानी का बहाव नहीं होने से अब पानी काला हो गया है तथा उससे उठने वाला दुर्गंध मोहल्लेवासियों को परेशान कर रही है। आलम यह है कि मोहल्लेवासी घर से बाहर निकलते है तो नाक-मुंह बंद कर निलक रहे है। वहीं, उनमें संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी बना हुआ है। जिससे मोहल्लेवासियों में नगर परिषद प्रशासन के प्रति आक्रोश गहरा गया है।

घटिया स्लैब निर्माण से उपजी समस्या, अबतक नहीं हुई कार्रवाई

मोहल्लेवासियों का कहना है कि पिछले साल नगर परिषद द्वारा महाराजा पेट्रोल पंप के सामने स्थित नाली के उपर स्लैब का निर्माण कराया गया था, जिसमें घटिया मेटेरियल का उपयोग किया गया था। जिस कारण निर्माण के साथ ही स्लैब ध्वस्त हो गया था तथा उसका मलबा नाली में गिर गया था। इसके बाद से ही इस मोहल्ले की नाली में पानी का बहाव अवरूद्ध हो गया है। जिस कारण पेट्रोल पंप से लेकर कमल नगर मोहल्ले तथा रेलवे स्टेशन की तरफ जाने वाली गली में भी जलजमाव हो जाता है। मोहल्ले के धीरज ठाकुर, पिंटू यादव, अनिल सिंह, छोटे सिंह आदि का कहना है कि इस समस्या की जानकारी कई बार नगर परिषद प्रशासन को दी गई, बावजूद अभी तक इसका समाधान नहीं निकाला गया। मोहल्लेवासियों का कहना है कि नाली में हर समय गंदा पानी जमा रहता है, जिस कारण उन्हें दुर्गंध का सामना करना पड़ता है। वहीं, स्लैब टूटने से पेट्रोल पंप पर आने जाने वाले वाहन चालकों में भी दुर्घटना का खतरा बना रहता है। कई बार छोटी-मोटी दुर्घटनाएं हो भी चुकी है।

संवेदक को दिया गया था दुबारा स्लैब निर्माण का निर्देश

बता दें कि स्लैब टूटने के बाद तत्कालीन ईओ मनीष कुमार ने संवेदक को दुबारा स्लैब बनाने तथा नाली की सफाई करा निर्बाध गति से जलनिकासी कराने का निर्देश दिया था, लेकिन ईओ के निर्देश का संवेदक पर असर नहीं पड़ा। जिस कारण समस्या जस की तस बनी हुई है।

बोले ईओ, शीघ्र होगा समस्या का निदान

इस संबंध में नगर परिषद के ईओ राहुलधर दूबे ने बताया कि इस समस्या का शीघ्र निदान कराया जाएगा। उन्होंने तत्काल सिटी मिशन मैनेजर स्तुति सिन्हा को जेई के साथ इसका निरीक्षण कर तत्काल जलनिकासी की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया। ईओ के निर्देश के बाद अब मोहल्लेवासियों में इस बात की उम्मीद जगी है कि जल्दी ही उन्हें इस समस्या से निजात मिल जाएगी।

जरूरतमंदों की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म : प्रो. अखिलेश दूबे

- **प्रो. अखिलेश कुमार दुबे के प्रयास से जरूरतमंदों तक पहुंची राहत, युवाओं को मिला सामाजिक दायित्व निभाने का संदेश**

केटी न्यूज/डुमरांव

ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ शिव मंदिर परिसर में कंबल वितरण समर्पण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह पुनीत सामाजिक कार्य दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं भाजपा संगठन के उपाध्यक्ष प्रो. अखिलेश कुमार दुबे द्वारा अपनी जन्मभूमि बक्सर के लोगों के प्रति सेवा, स्नेह और आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। ठंड के मौसम में जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने का यह कार्यक्रम न केवल सेवा का उदाहरण बना, बल्कि सामाजिक समरसता और नागरिक कर्तव्य के बोध का सशक्त संदेश भी दे गया।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए। इस अवसर पर प्रो. अखिलेश दुबे ने कहा कि समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए संवेदनशील होना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जब तक समाज का हर व्यक्ति दूसरों के दर्द को महसूस नहीं करेगा, तब तक विकसित भारत और समरस समाज की कल्पना साकार नहीं हो सकती। उन्होंने युवाओं से आगे आकर सामाजिक कार्यों में भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

इस कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता, मंडल अध्यक्ष विनोद उपाध्याय, वंशीधर, उदय उज्जैन, शिवजी पांडेय, उपेंद्र गौतम, पुष्पांजलि, महिला मोर्चा की पदाधिकारी, कमल किशोर राय, संजय, बक्सर जिला मुखिया अध्यक्ष मुन्ना चौबे, प्रो. संतोष सहित अनेक कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर सेवा कार्य में सहभागिता की और आयोजन की सराहना की।

कार्यक्रम का माहौल पूरी तरह सेवाभाव और आत्मीयता से भरा रहा। मंदिर परिसर में उपस्थित लोगों ने बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ के दर्शन के साथ-साथ जरूरतमंदों की सेवा को पुण्य कार्य बताया। स्थानीय लोगों का कहना था कि इस तरह के आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और आपसी भाईचारा मजबूत होता है।

उल्लेखनीय है कि प्रो. अखिलेश दुबे द्वारा जन्मभूमि बक्सर में इस प्रकार के सामाजिक कार्य और स्वजनों से संवाद लगातार किया जाता रहा है। कंबल वितरण, जनसंवाद और सामाजिक सहयोग जैसे कार्यक्रम उनकी पहचान बन चुके हैं। आयोजकों ने भरोसा जताया कि यह सेवा अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का प्रयास होता रहेगा।

गौरतलब हो कि प्रो. दूबे बक्सर जिले के सिमरी प्रखंड के दुबौली गांव के रहने वाले है। वे दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर है तथा अपने सामाजिक कार्यों के लिए हमेशा सुर्खियों में रहते है।

समाजसेवी को पितृशोक, लोगों ने जताया शोक

केटी न्यूज/डुमरांव

पीड़ियां गांव में उस वक्त शोक और संवेदना का माहौल व्याप्त हो गया, जब क्षेत्र के जाने-माने युवा समाजसेवी शशि भूषण ओझा और मुकेश ओझा के पिता रामाशंकर ओझा उर्फ खखनु ओझा का आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही गांव सहित आसपास के इलाकों में शोक की लहर दौड़ गई। रमाशंकर ओझा अपने सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और सामाजिक सरोकारों के लिए जाने जाते थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते कुछ दिनों से उनकी तबीयत लगातार खराब चल रही थी। प्रारंभिक इलाज डुमरांव में कराया गया, लेकिन स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर उन्हें वाराणसी स्थित बीएचयू अस्पताल रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, वहीं क्षेत्र ने एक ऐसे व्यक्ति को खो दिया है, जो हमेशा लोगों के सुख-दुख में साथ खड़े रहते थे।

दुखद समाचार के बाद समाजसेवी शशि भूषण ओझा के आवास पर शोक व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। वरिष्ठ समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर रवि सिन्हा, मुखिया सिंह कुशवाहा, संजय यादव, मधुसूदन पाठक, हरख तिवारी, करिया पांडेय, पवन शुक्ला, मंटू तिवारी, सचिन कश्यप, मंटू सिंह, भोला पाठक, बिट्टू ओझा, भरत तिवारी, रामकुमार उपाध्याय सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि शशि भूषण ओझा अपने पिता से मिली सामाजिक सेवा की प्रेरणा को आगे बढ़ाते हुए वर्षों से जनसेवा में सक्रिय हैं। छपरा मस्तीचक अस्पताल से जुड़कर उन्होंने अब तक सैकड़ों जरूरतमंद लोगों की आंखों का मुफ्त ऑपरेशन करवाया है और चश्मा भी उपलब्ध कराया है। हर महीने शिविर लगाकर वे लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं दिलाने का प्रयास कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि रमाशंकर ओझा भले ही आज हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन उनके संस्कार और सेवा की भावना उनके पुत्र के माध्यम से समाज में जीवित रहेंगी।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर मे बिलिंग प्रक्रिया अधिक पारदर्शी : विद्युत कार्यपालक अभियंता

केटी न्यूज/रोहतास

विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सासाराम के अधीन आने वाले सब डिवीजन बिक्रमगंज, कोचस, सासाराम (शहरी) व सासाराम (ग्रामीण) के पुराने मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर का अधिष्ठापन किया जा रहा है एवं स्मार्ट मीटर के अधिष्ठापन के समय उपभोक्ताओं से कोई भी शुल्क नहीं ली जाती है। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ई. ब्रवीम ने बताया की स्मार्ट मीटर मे डाटा स्वतः ही बिलिंग सर्वर पर आ जाता है जिससे ऊर्जा रीडिंग के लिए मीटर रीडर की जरूरत नहीं पड़ती है। स्मार्ट मीटर में ऑन लाईन के माध्यम से समय पर विपत्र प्राप्त कर सकतें

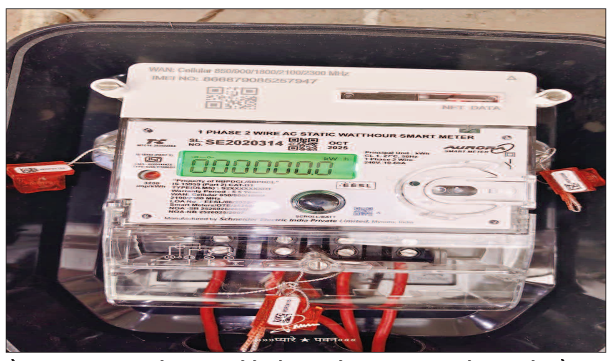

हैं एवं मानव हस्तक्षेप नहीं होने से विद्युत विपत्र में त्रुटि की संभावना नहीं रहती है। स्मार्ट मीटर के कारण बिलिंग प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होने से उपभोक्ताओं के विद्युत विपत्र को समझने में सुविधा होती है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ता को दैनिक ऊर्जा खपत या राशि की कटौती की जानकारी वास्तविक समय में प्रदान करता है, जिससे उपभोक्ता अपने उपयोग की आदतों को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं और ऊर्जा की बचत कर अपने विपत्र की राशि को कम कर सकतें हैं साथ हीं वास्तविक समय डाटा की उपलब्ध होने से अधिक खपत करने वाले उपकरणों की पहचान कर सकतें हैं, जिससे ऊर्जा बचत करने के उपाय ढूंढ़ सकतें हैं। स्मार्ट मीटर अधिष्ठापन से पूर्व विद्युत बकाया राशि को किस्तों में भुगतान करने की व्यवस्था की गई है, जिससे उपभोक्ताओं को बकाया राशि एक मुश्त जमा करने की वित्तीय भार से मुक्ति मिलती है। स्मार्ट मीटर द्वारा नये विद्युत संबंध स्थापित करने हेतु किसी भी प्रकार का प्रतिभूति राशि नहीं लिया जाता है। स्मार्ट मीटर अधिष्ठापन उपरांत यदि मैक्सिमम डिमांड स्वीकृत भार से बढ़ जाता है तो उपभोक्ता को छः माह तक मैक्सिमम डिमांड शुल्क से राहत दी जाती है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के परिसर में सोलर पैनल अधिष्ठापन के उपरान्त स्मार्ट मीटर को नेट मीटर में बदल दिया जाता है, जिससे उपभोक्ताओं का अलग से नेट मीटर खरीदने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। स्मार्ट मीटर से प्राप्त स्टीक और विस्तृत डेटा समस्याओं का समाधान जल्दी करने में मदद करता है। उपभोक्ता को मोबाइल एप के माध्यम से ही विपत्र प्राप्त हो जाता है तथा बिना कार्यालय गए अपने स्मार्ट मीटर का रिचार्ज भी कर सकते है। त्रुटिरहित विपत्रीकरण से उपभोक्ताओं को विद्युत कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ता है। स्मार्ट मीटर प्रणाली को पारदर्शी एवं सुलभ बनाता है, जिससे उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा उपलब्ध होती है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर डिसकनेक्शन होने के उपरांत मीटर में लगे पुश बटन की मदद से बिजली चालू की जा सकती है। ऐसा करने पर 72 घंटे तक बिजली बाधित नहीं होगी। यह सुविधा महिने में एक बार उपलब्ध होगी। विभाग द्वारा खपत संबंधित भ्रांति को दूर करने लिए चेक मीटर का अधिष्ठापन भी विभिन्न जगहों पर स्मार्ट मीटर के साथ किया जा रहा है, जिससे की स्मार्ट मीटर की शुद्धता को सत्यापित किया जा सके।

ऑडियो वायरल के बाद एसडीपीओ बोले..आरोपी पर होगी त्वरित कार्रवाई

गयाजी में मंथन-2025 कार्यशाला शुरू सीएम नीतीश कुमार ने किया उद्घाटन

एजेंसी/पटना

बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड), बोधगया में आज से दो दिवसीय मंथन-2025 प्रशासनिक कार्यशाला का आयोजन शुरू हुआ। इस उच्चस्तरीय कार्यशाला में बिहार के सभी जिलों के जिलाधिकारी, प्रमंडलीय आयुक्त (कमिश्नर) और वरीय प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया। मुख्यमंत्री विशेष विमान से पटना से बोधगया पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। उद्घाटन के दौरान उन्होंने बिपार्ड परिसर में विकसित कई नई सुविधाओं का लोकार्पण भी किया।कार्यक्रम में बिहार सरकार के महाधिवक्ता सहित कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। मंथन-2025 कार्यशाला में प्रशासनिक सुधार, विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, कानून-व्यवस्था, लोक सेवा वितरण प्रणाली, नवाचार और सुशासन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था को सख्ती से लागू किया गया। सिटी एसपी सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बिपार्ड परिसर, बोधगया और आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। कार्यक्रम स्थल और प्रमुख मार्गों पर मजिस्ट्रेटों के साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया।

यातायात व्यवस्था में बदलाव

कार्यक्रम के मद्देनजर गया शहर में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया। बिपार्ड और बोधगया जाने वाले मार्गों पर विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है। कुछ मार्गों पर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया, जबकि वैकल्पिक मार्गों से आवागमन की सुविधा दी गई। प्रशासन ने आम नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

शासन प्रणाली को और मजबूत करने की योजना

मंथन-2025 कार्यशाला के माध्यम से जिला केंद्रित शासन प्रणाली को और मजबूत बनाने, योजनाओं की जमीनी समीक्षा करने और प्रशासनिक कार्यशैली को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बोधगया पहुंचे और महाबोधि मंदिर में भगवान बुद्ध का दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

विदेशी भगाओ स्वदेशी अपनाओ : सत्येंद्र दुबे

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट प्रखंड मुख्यालय गोड़ारी में भाजपा के काराकाट विधानसभा संयोजक अजीत सिंह के आवास पर विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता बैठक आयोजित की गई । बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में रोहतास जिला भाजपा जिला मंत्री सह काराकाट विधानसभा प्रभारी सतेंद्र दुबे उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता विनोद पासवान ने की,जबकि बैठक का संचालन अखिलेश्वर पांडेय ने किया । बैठक की शुरूआत मुख्य अतिथि सतेंद्र दुबे को अंगवस्त्र देकर सम्मानित करने के साथ की गई । इसके बाद अपने संबोधन में श्री दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर बनने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है । स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर ही भारत को आर्थिक रूप से मजबूत और विश्व गुरु बनाया जा सकता है । उन्होंने कार्यकताओं से केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया । श्री दुबे ने कहा कि आगामी समय में संगठन की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होने वाली

है । इसके लिए कार्यकताओं को घर-घर जाकर संकल्प पत्र भरवाने, लोगों को भाजपा की नीतियों और सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराने तथा राष्ट्रहित में शपथ दिलाने का कार्य गंभीरता से करना होगा । उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ हैं और उनकी सक्रियता से ही पार्टी को मजबूती मिलती है । बैठक में आत्मनिर्भर भारत,स्वदेशी अपनाओ,भारत को समृद्ध बनाओ जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई । साथ ही संगठनात्मक मजबूती,बूथ स्तर पर कार्यकताओं की भूमिका तथा जनसंपर्क अभियान को प्रभावी बनाने पर भी विचार-विमर्श हुआ । इस दौरान भाजपा नेता अखिलेश्वर पांडेय एवं समाजसेवी अशोक तिवारी ने किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया । उन्होंने कहा कि किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिले,इसके लिए प्रत्येक प्रखंड में धान क्रय केंद्र खोले जाना अत्यंत आवश्यक है । उपस्थित लोगों ने एक स्वर में केंद्र एवं राज्य सरकार से हर प्रखंड में धान क्रय केंद्र खोलने की मांग करने का समर्थन किया । बैठक में राजेश कुशवाहा सहित कई भाजपा कार्यकर्ता,पदाधिकारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे । अंत में संगठन को मजबूत बनाने और जनहित के मुद्दों को लेकर एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया गया ।

सड़क हादसे में दो की मौत,गुस्साए ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास जिले के काराकाट व नासरीगंज थाना क्षेत्र के सीमा अर्थात बॉर्डर पर इटिम्हां गांव के पास एनएच-120 (ए) पर बुधवार को दोपहर एक भयानक सड़क हादसा हो गया । बिक्रमगंज की ओर से तेज रफ्तार से आ रही स्कॉर्पियो (जेएच-12 ई-7580) ने जोरावरपुर पुल के पास दो लोगों को जोरदार टक्कर मार दी,जिसमें एक साइकिल सवार व्यक्ति और एक सड़क पर पैदल जा रही महिला की मौके पर ही मौत हो गई । हादसे के बाद इलाके में चीख-पुकार मच गई और गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क जाम कर स्कॉर्पियो पर हमला बोल दिया । सूत्रों के अनुसार मृतकों में काराकाट थाना क्षेत्र के कांध बहुआरा निवासी स्व. अवध कुमार सिंह के 45 वर्षीय पुत्र संतोष कुमार सिंह उर्फ मलू शामिल हैं । वे अपने गांव से साइकिल पर इटिम्हां बाजार जा रहे थे कि स्कॉर्पियो ने जोरावरपुर पुल के पास उन्हें कुचल दिया । वहीं बाराडीह निवासी वीरेंद्र

चौधरी की 42 वर्षीय पत्नी आशा देवी बैंक के काम से इटिम्हां जा रही थीं । वे पैदल सड़क पार कर रही थीं,तभी अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने उन्हें चपेट में ले लिया । हादसे की तीव्रता इतनी थी कि दोनों की मौके पर ही सांसें थम गईं । टक्कर मारते ही स्कॉर्पियो चालक और उसमें सवार सभी लोग फरार हो गए । आक्रोशित ग्रामीणों ने वाहन को घेरकर पथराव करते हुए शीशे तोड़े और तोड़फोड़ मचाई । बताया जाता है कि स्कॉर्पियो ने टक्कर के बाद एक ट्रैक्टर से भी ठोकर खाई,जिससे इसका आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया । गुस्से में ग्रामीणों ने सड़क पर मलबा बिछाकर एनएच-120 (ए) को जाम कर दिया ।जिससे बिक्रमगंज-नासरीगंज मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं । ग्रामीण चिल्ला रहे थे कि तेज रफ्तार से निदोर्षों की जान जा रही है, न्याय दो । मिली सूचना पर एसडीएम प्रभात कुमार,नासरीगंज थानाध्यक्ष अविनाश कुमार,काराकाट थानाध्यक्ष विवेक कुमार,नासरीगंज अंचल अधिकारी अंचला कुमारी,बीडीओ नौशाद आलम सिद्दकी सहित भारी संख्या में पुलिस बल पहुंचा । घंटों हंगामे के बाद सड़क जाम को खुलवाया गया ।

एक नजर

सड़क हादसे मे 40 वर्षीय युवक घायल, वाराणसी रेफर

कोचस । थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 319 पर मझौली गेट के समीप अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बाइक सवार युवक में ठोकर मार दी जिसमें 40 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना बुधवार शाम तीन बजे की बताई गई है। घायल युवक थाना क्षेत्र के ग्राम उबधि निवासी राजगिरी सिंह का 40 वर्षीय पुत्र बृजेश सिंह बताए गए है। घटना के बारे में बताया जाता है कि घायल युवक बृजेश सिंह घर से अपने बाइक से कोचस निजी कार्य से जा रहा था तभी राष्ट्रीय राजमार्ग 319 पर मझौली गेट के समीप विपरीत दिशा से तेज रफ्तार मे आ रही अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बाइक मे टक्कर मार दी जिसमें युवा गंभीर रूप से घायल हो गया, हालांकि घटना को अंजाम दे चालक ट्रैक्टर लेकर भागने में कामयाब रहा। वहीं एनएचआई की 112 नंबर डायल वाहन के चालक निरंजन कुमार के मदद से युवक को घायल अवस्था में उपचार के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां मौके पर उपस्थित चिकित्सक डॉक्टर विकास कुमार ने उपचार के दौरान हाथ और पैर की हड्डी टूटने तथा आंख व सर मे आंतरिक चोट आने की बात कह बेहतर इलाज के लिए वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया है।

भारतीय जनता पार्टी बिक्रमगंज ग्रामीण उत्तरी एवं दक्षिणी मंडल की संयुक्त की गई बैठक आयोजित

बिक्रमगंज। भारतीय जनता पार्टी के रोहतास जिला मंत्री सह काराकाट विधानसभा प्रभारी सतेंद्र दुबे की उपस्थिति में बिक्रमगंज ग्रामीण उत्तरी एवं दक्षिणी मंडल की संयुक्त बैठक आयोजित की गई । बैठक का मुख्य उद्देश्य स्वदेशी अपनाओ,आत्मनिर्भर भारत एवं समृद्ध भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना रहा । बैठक की अध्यक्षता धनंजय सिंह ने की, जबकि संचालन गौतम तिवारी ने किया । बैठक में पार्टी के संगठनात्मक मजबूती,केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई । इस अवसर पर सतेंद्र दुबे ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है । स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर ही हम न सिर्फ देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकते हैं,बल्कि हर गांव और हर घर को समृद्ध बना सकते हैं । भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता इस संकल्प को जन आंदोलन का रूप दे । उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे केंद्र सरकार की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाएं और संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाएं । बैठक में दोनों मंडलों के दिनेश्वर दुबे,ब्रजेश भारद्वाज,विशाल पाठक,कन्हैया दुबे, अरविंद पांडेय,सुदर्शन साह,रामजी सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे और सभी ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को लेकर सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया ।

एएसपी संकेत कुमार ने बिक्रमगंज थाना का किया निरीक्षण

बिक्रमगंज। एएसपी संकेत कुमार ने बुधवार को बिक्रमगंज थाने का निरीक्षण किया। इस दौरान एएसपी ने कार्यालय, हवालात, माल खाना व थाना की साफ-सफाई आदि का जायजा लिया। जबकि अपराध रजिस्टर, क्रियाशील अपराधी रजिस्टर, गुंडा पंजी रजिस्टर, भूमि विवाद रजिस्टर, दागी पंजी, थ्रीपंजी, प्राथमिकी पंजी आदि समेत महत्वपूर्ण अभिलेखों का अवलोकन कर थाना क्षेत्र में घटित अपराधों के विषय में पूछताछ की। साथ ही असामाजिक तत्वों पर निगरानी एवं चौकस रहने को लेकर थाना प्रभारी ललन कुमार को निर्देश दिया। वहीं रात्रि गश्ती में तेजी लाने का निर्देश दिया। एएसपी ने थाना की विभिन्न समस्याओं को भी जाना साथ ही समस्याओं से निबटारा को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। थाना प्रभारी को क्षेत्र में विधि व्यवस्था कायम रखना क्षेत्र में शांति बनाये रखना कांड से संबंधित दिशा निर्देश दिया। मौके थाना प्रभारी ललन कुमार, एसआइ विकास कुमार, एस आई नुपूर कुमारी आदि उपस्थित थे।

शराब का सेवन करने वाले और तस्करी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा: थाना ध्यक्ष विवेक कुमार

काराकाट । रोहतास जिले के काराकाट थाना पुलिस ने बुधवार को एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि नोखा थाना क्षेत्र के कहार टोला निवासी स्व. सूर्यदेव चंद्रवंशी के पुत्र सत्येंद्र चंद्रवंशी को 5 लीटर महुआ शराब के साथ पकड़ा गया। सत्येंद्र अपने ससुराल अमरथा के कंचनपुर टोला आया था और बाइक पर शराब लादकर भाग रहा था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस ने 5 लीटर शराब के साथ पैशन प्रो लाल रंग की बाइक भी कब्जे में ले ली है। इसी क्रम में पुलिस ने बेन सागर से एक पियक्कड़ को भी गिरफ्तार किया। प्रक्रिया पूरी कर उसे जेल भेज दिया गया। थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने चेतावनी दी, "शराब का सेवन करने वाले और तस्करी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

शोकसभा का किया गया आयोजन

काराकाट। समाज सेवी बलिराम ओझा की 45 वर्षीय पत्नी ममता ओझा की मृत्यु से शोक की लहर दौड़ गई । लोगों में एक हीं चर्चा है कि ममता ओझा बहुत हीं सुन्दर विचारवान,आदर्श व कोमल स्वभाव वाली थी । इसका भरपाई नहीं हो सकती । इस घटना को सुनते हीं राष्ट्रीय मानवता सेवा संघ के सिपाही ने मातमपूर्सी के लिए बलिराम ओझा के दरवाजे पर जाकर संकट की इस घड़ी में दुखित परिवार के साथ खड़े रहने को कहा और दो मिनट का मौन रख कर मृत आत्मा को शांति मिले एवं प्रभु अपने चरण में जगह दे,इसकी कामना किए । मौके पर मानवता सेवा संघ उपाध्यक्ष गुड्डू उपाध्याय,सचिव अखिलेश तिवारी, महासचिव दशरथ मिश्रा , रौशन ओझा , संस्थापक रजनी कान्त पाण्डेय,विश्वनाथ ओझा ,अनिल मिश्रा,सिपाही ठाकुर सहित कई लोग मौजूद रहे ।

भोजपुर में 7.44 करोड़ की लागत से बनेंगे 62 नए आंगनबाड़ी केंद्र, 3000 बच्चों को मिलेगा लाभ

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले में मनरेगा, नाबार्ड और आईसीडीएस के सहयोग से 62 नए आंगनबाड़ी भवन बन रहे हैं। इन सभी पर लगभग 7.44 करोड़ रुपये की लागत आएंगी। इन सभी नए भवनों के बन जाने से तीन हजार से ज्यादा छोटे-छोटे बच्चे और उनके मां को लाभ मिलेगा। निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए मनरेगा से अब तक तेरह भवन का कार्य पूर्ण भी करा लिया गया है। जिले में लंबे समय से भवन नहीं बनने के कारण आंगनबाड़ी केंद्रों में पढ़ने वाले छोटे-छोटे बच्चों की समस्याओं को देखते हुए विभिन्न मदों से इन सभी के लिए आशियाना बनाने का निर्देश विभाग ने दिया था। इसी के अंतर्गत जिले के सभी प्रखंडों में 62 आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण कार्य चल रहा है। इनमें से मनरेगा के द्वारा 35 आंगनबाड़ी केंद्र तेजी से बनाए जा रहे हैं। जिसमें 13 आंगनबाड़ी केंद्र का नया भवन बनकर तैयार हो गया है। अन्य का निर्माण कार्य चल रहा है।

नाबार्ड के द्वारा 27 नए आंगनबाड़ी केंद्र

दूसरी तरफ नाबार्ड के द्वारा 27 नए आंगनबाड़ी केंद्र बनाए जाने हैं जिनका निर्माण कार्य सभी कागजी प्रक्रियाओं को पूरा करते हुए जल्द ही शुरू किया जाएगा। लगभग 12 लाख रुपये की लागत से बन रहे नए भवन में किचन, शौचालय, हाल और दो से तीन कमरे के साथ पूरे परिसर को चकाचक बनाया जाएगा। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए वाटिका और छोटा प्लेग्राउंड भी रहेगा। सभी भवनों के निर्माण कार्य के लिए पहले से ही स्थानीय अंचलधिकारी के द्वारा एनओसी ले लिया गया था। एनईपी के निदेशक लोक प्रकाश ने बताया कि मनरेगा के द्वारा अगिआंव, बड़हरा, कोईलवर, सहार और शाहपुर में दो-दो, तरारी और उदवंतनगर में एक-एक आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। जल्द ही इन सभी का उद्घाटन डीडीसी के द्वारा कराया जाएगा।

सबसे ज्यादा अगिआंव में दस और आरा में बनेंगे नौ भवन

मनरेगा और नाबार्ड से जिले में कुल 62 आंगनवाड़ी नए केंद्र बनाए जाएंगे। इन में सबसे ज्यादा अगिआंव प्रखंड में 10 भवन, आरा सदर में नौ, कोईलवर में छह, संदेश में आठ, पीरो में पांच, बड़हरा, बिहिया और जगदीशपुर में चार-चार, चरपोखरी, सहार और उदवंतनगर में तीन-तीन, शाहपुर में दो तथा तरारी में एक भवन बनाए जाएंगे।

5,000 रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार हुआ एएसआई, निगरानी ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई

एजेंसी/पटना

अरवल जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। ब्यूरो की मुख्यालय टीम ने बुधवार 17 दिसंबर 2025 को वंशी थाना मोड़ से 5,000 रुपये रिश्वत लेते हुए एक सहायक अवर निरीक्षक (अरक) को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मो. मुज्तवा अली के रूप में हुई है, जो वंशी थाना, जिला अरवल में पदस्थापित थे।निगरानी थाना कांड संख्या-108/25 (दिनांक 11.12.2025) के तहत दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, आरोपी अरकपर एक आपराधिक मामले में निर्दोष लोगों को राहत देने के एवज में रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप है। इस मामले के परिवादी मुकेश कुमार, पिता राम प्रवेश पासवान, निवासी ग्राम कुरमावां, थाना वंशी, जिला अरवल हैं। उन्होंने निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार, पटना के कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि वंशी थाना कांड संख्या-80/25 में आरोपी अरक द्वारा परिवादी समेत चार लोगों को निर्दोष मानते हुए अन्य अभियुक्तों के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में समर्पित करने के एवज में 5,000 रुपये की रिश्वत की मांग की जा रही थी। परिवादी ने इस मांग से असहमत होकर सीधे निगरानी ब्यूरो का दरवाजा खटखटाया।शिकायत प्राप्त होने के बाद निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सत्यापन की कार्रवाई कराई। सत्यापन के दौरान यह प्रमाणित हुआ कि आरोपी अरक वास्तव में रिश्वत की मांग कर रहा है। प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने पर विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए कांड अंकित किया गया। इसके बाद पुलिस उपाधीक्षक श्री मो. वसीम फिरोज के नेतृत्व में एक विशेष धावादल (ट्रैप टीम) का गठन किया गया। योजना के अनुसार, बुधवार को जैसे ही आरोपी ने वंशी थाना मोड़ पर परिवादी से 5,000 रुपये रिश्वत की राशि ली, धावादल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। मौके से रिश्वत की राशि भी बरामद की गई।

बिहार में हाड़ कंपाने वाली ठंड, 20 दिसंबर तक कोहरे का अलर्ट

स्कूल बंद करने की मांग उठने लगी

एजेंसी। पटना

बिहार में अचानक ठंड काफी बढ़ गई है। हाड़ कंपाने वाली पूस की रात ही नहीं, दिन भी है। सर्द पछुआ हवा से शरीर टूट रहा है। पटना समेत कई जिलों में हल्की धूप तो निकली है लेकिन इसमें इतनी तपिश नहीं कि गर्मी दे सके। पिछले 24 घंटे से बिहार के कुछ जिलों में 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही सर्द पछुआ हवा ने ठिठुरन बढ़ा दी है। मौसम विज्ञान केंद्र ने स्पष्ट कहा है कि दो दिन बाद ठंड और तेजी से बढ़ेगी। 22 दिसंबर के बाद बिहार में कोल्ड वेव जैसी स्थिति बन सकती है। यानी दिन का तापमान भी सामान्य से नीचे चला जाएगा। पिछले 24 घंटे में 9.1 डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ भागलपुर सबसे ठंडा जिला रहा।

स्कूल बंद करने की मांग कर रहे अभिभावक

इधर, बढ़ते ठंड को देखते हुए स्कूल बंद होने के आदेश अब तक नहीं दिए गए हैं। पटना, मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों में डीएम ने स्कूल संचालन के समय में बदलाव जरूर किया है लेकिन बंद करने का आदेश नहीं दिया है। अभिभावक स्कूल बंद करने का आदेश देने की मांग कर रहे हैं। गर्दनीबाग निवासी शिशिर सिन्हा ने कहा कि साढ़े आठ बजे स्कूल संचालन का आदेश जरूर दिया गया है लेकिन स्कूल बस वाले बच्चे को साढ़े छह बजे ही लेने चले आते हैं। सुबह में काफी कोहरा रहता है। ठंड भी अधिक रहती है। ऐसे में अगर पटना डीएम स्कूल बंद करने का आदेश देते तो बच्चों के सेहत के लिए कापी अच्छा रहता है। वहीं कृषि नगर निवासी संजीत कुमार ने कहा कि पटना में सर्दी, खांसी और बुखार की समस्या के कई लोग प्रभावित हैं। स्वास्थ्य विभाग ने भी बच्चों को लेकर सतर्कता बरतने की बात कही है।

आज से 20 दिसंबर तक इन जिलों में घने कोहरे का अलर्ट

17 दिसंबर को पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण समेत कुछ जिलों में घना कुहासा छाए रहने के आसार भी हैं। वहीं 18 से 20 दिसंबर तक पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, वैशाली, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, भोजपुर और बक्सर में घना कुहासा छाया रहेगा। इन जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है।

जानिए मौसम पूवार्नुमान

मौसम पूवार्नुमान के अनुसार, अगले 7 दिनों तक प्रदेश का मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है। 17 दिसंबर को राज्य के उत्तर-पश्चिमी जिलों के एक-दो स्थानों पर सुबह के समय घना कोहरा छाने की चेतावनी जारी की गई है। वहीं 18 से 19 दिसंबर 2025 के दौरान पश्चिमी और उत्तर मध्य भागों के जिलों में भी सुबह के समय घने कोहरे छाए रहने के आसार हैं। इसके अलावा अगले तीन दिनों तक राज्य के शेष जिलों में एक-दो स्थानों पर हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा रहने के आसार हैं। अगले दो दिनों के बाद न्यूनतम तापमान में गिरावट होगी।

भागलपुर में सबसे ज्यादा ठंड पड़ी

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य का मौसम शुष्क बना रहा। इस अवधि में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस फॉरबिसगंज (अररिया) में 16 दिसंबर 2025 को दर्ज किया गया, जबकि राज्य का अधिकतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस से 28.2 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। अधिकांश क्षेत्रों में अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं देखा गया। वहीं न्यूनतम तापमान की बात करें तो सबसे कम न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री सेल्सियस सबौर (भागलपुर) में 17 दिसंबर 2025 को दर्ज किया गया तथा राज्य का न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री सेल्सियस से 15.6 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

कहा- महिला से माफी मांगें, नहीं तो अंजाम बहुत बुरा होगा

हिजाब विवाद पर नीतीश कुमार को पाकिस्तानी आतंकी की धमकी

एजेंसी। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हिजाब मामले में पाकिस्तान के चर्चित आतंकी शहजाद भट्टी ने धमकी दी है। उसने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सार्वजनिक तौर पर माफी मांगे, नहीं तो अंजाम बहुत बुरा होगा। भट्टी ने कहा कि सभी लोगों ने देखा होगा कि बिहार में क्या हुआ? किस तरह से एक बड़े पद पर बैठे शख्स ने एक मुस्लिम महिला के साथ ऐसा व्यवहार किया। भट्टी ने कहा कि उस व्यक्ति के पास अभी समय है, वह उस महिला से माफी मांग लें। अगर आज माफी नहीं मांगी तो जिम्मेदार संस्थाओं को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। बाद में यह मत कहना कि चेतावनी नहीं दी गई थी। गैंगस्टर से आतंकी बने पाकिस्तान के कुख्यात की धमकी के बाद बिहार पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों की टीम एक्टिव हो गई है टीम मामले की जांच कर रही है।

जानिए क्या है पूरा मामला

दरअसल, 15 दिसंबर को मुख्यमंत्री के सचिवालय 'संवाद' में आयुष डॉक्टरों के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नियुक्त किए गए डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र बांट रहे थे। वहां लगभग 1,000 से अधिक नव नियुक्त आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र दिए गए। नियुक्ति पत्र देते वक्त ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक महिला डॉक्टर के हिजाब को हटाने हटाने की कोशिश की इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद सियासत शुरू हो गई। विपक्ष ने मुख्यमंत्री नीतीशकमार पर जमकर हमला बोला।मुस्लिम संगठनों ने इस घटना की निंदा की।

जानिए कौन है गैंगस्टर से आतंकी बना शहजाद भट्टी

गैंगस्टर से आतंकी बना शहजाद भट्टी हवाला, सुपारी किलिंग, हथियार तस्करी और सोशल मीडिया पर खौफ फैलाने को जाना जाता है। आईएसआई का समर्थन मिलने के बाद इसने भारत में आतंक का जाल बिछाना शुरू किया है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान का रहने वाला शहजाद भट्टी पाकिस्तानी गैंगस्टर फारुख खोखर गैंग का हिस्सा था। वह दाउद इब्राहिम की तरह बड़ा नेटवर्क खड़ा करना चाहता था। शुरूआत में यह हवाला, सुपारी किलिंग, हथियार तस्करी और सोशल मीडिया पर डर फैलाने के लिए जाना जाता था। इसी वजह से भारत के कुछ गैंगस्टर से भी इसके करीबी संबंध थे। लॉरेंस बिश्नोई भी इसका करीबी था। पहलगाम हमले के बाद लॉरेंस ने हाफिज सईद को धमकी दी तो शहजाद भट्टी को यह बात हज्म नहीं हुई। उसने लॉरेंस को धमकी दे दी। बताया जा रहा है कि फिलहाल लॉरेंस और शहजाद एक दूसे के खून के प्यासे हैं। लगातार शहजाद भट्टी भारत के खिलाफ आतंक फैलाने का काम कर रहा है।

एक नजर

कलयुगी बेटे की करतूत : 3500 रुपये के लिए नाबालिग बेटे ने मां की गोली मारकर कर दी हत्या

नालंदा । नालंदा जिले के करायपुरसराय थाना क्षेत्र के गालिमपुर गांव से सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक नाबालिग बेटे ने महज 3500 रुपये के लिए अपनी मां 48 वर्षीय मुन्नी देवी की देसी कट्टे से गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी हथियार लेकर फरार हो गया। कलयुगी बेटे की करतूत से इलाके के लोग भी हैरान है। मौके पर पहुंची पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी बेटे ने किसी काम के लिए मां से 3500 रुपये मांगे थे। मां ने पैसे देने से इनकार किया, जिसके कारण दोनों के बीच विवाद हुआ। विवाद के दौरान महिला घर के अंदर जाने लगी, तभी नाबालिग बेटे ने पीछे से देसी कट्टे से गोली चला दी। गोली लगते ही महिला दरवाजे पर गिर गई और घटनास्थल पर जमा लोग उसे अस्पताल ले जाने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। हिलसा डीएसपी शैलजा और करायपुरसराय थानाध्यक्ष रणविजय कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और बाद में परिजनों के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी नाबालिग है और उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं। ग्रामीणों ने बताया कि परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा था। करीब 5 साल पहले आरोपी किशोर के पिता राजाराम की हत्या हुई थी, जिसमें उसकी मां मुन्नी देवी आरोपी बनाई गई थीं और जेल में रही थीं। हाल ही में वह जमानत पर जेल से बाहर आई थीं। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और आरोपी नाबालिग की गिरफ्तारी के प्रयास में है।

सहरसा में ट्रैक्टर चालक से दिनदहाड़े एक लाख की छिनतई, चाकू के बल पर बदमाशों ने घटना को दिया अंजाम

सहरसा। बिहार में अपराधी बेलगाम हो गये हैं, और एक के बाद एक आपराधिक वारदातों को बेखौफ अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामला सहरसा का है जहां अपराधियों ने चाकू का भय दिखाकर दिनदहाड़े एक लाख की छिनतई कर ली। ट्रैक्टर चालक के पैसे छीनने के बाद बदमाश मौके से नौ दो ग्यारह हो गये। घटना बनमा ईटहरी थाना क्षेत्र के बनमाझ सुगमा मुख्य मार्ग की है जहां बुधवार को दिनदहाड़े छिनतई की घटना हुई। गुरुजी गोदाम के पास चार अज्ञात बदमाशों ने ट्रैक्टर चालक से चाकू के बल पर एक लाख रुपये छीन लिए और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद आसपास के इलाके में भय और अफरातफरी मच गयी। बताया जाता है कि सोनवर्षा राज थाना क्षेत्र के जलसीमा स्थित महादेव ट्रेडर्स की ओर से 50 बंडल छड़ ट्रैक्टर पर लोड कर सलखुआ थाना क्षेत्र के ऋषभ ट्रेडर्स भेजा गया था। माल की डिलीवरी के बाद ऋषभ ट्रेडर्स के संचालक ऋषिकेश आनंद ने ट्रैक्टर चालक बिजेंद्र सादा को एक लाख रुपये नकद दिए, जिसे वह जलसीमा वापस ले जा रहा था। इसी दौरान पहले से घात लगाए बदमाशों ने रास्ता रोककर ट्रैक्टर को घेर लिया और चाकू दिखाकर रुपयों की छिनतई कर ली। सूचना मिलते हीं बनमा ईटहरी थानाध्यक्ष खुशबू कुमारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई, हालांकि अब तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। पीड़ित से गहन पूछताछ जारी है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

बिहार में 4488 वाहन चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित, 497 का कैंसिल

- अब फिर से पास करना होगा टेस्ट

एजेंसी। पटना

सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए परिवहन विभाग ने राज्यभर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की है। परिवहन, पुलिस एवं यातायात पुलिस की अनुशंसा के आधार पर 4488 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए हैं, जबकि 497 वाहन चालकों के लाइसेंस रद्द किए गए हैं। परिवहन सचिव राज कुमार ने बताया कि निलंबन के बाद भी वाहन चालक पुनः यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं तो उनका लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई की जायेगी। लाइसेंस रद्द किये जाने की स्थिति में वाहन चालकों को फिर से नए लाइसेंस के लिए आवेदन देना होगा एवं ड्राइविंग टेस्ट की प्रक्रिया से गुजरना होगा। परिवहन सचिव ने बताया कि यातायात नियमों के उल्लंघन करने वाले वाहनों चालकों के विरुद्ध यह कार्रवाई नियमित अभियान के रुप में जारी रहेगा। तेज गति से वाहन चलाना, लापरवाही पूर्वक ड्राइविंग, क्षमता से अधिक लोड ढोना तथा बार-बार नियमों का उल्लंघन करने जैसे मामलों को गंभीरता से लिया जा रहा है। ऐसे चालकों के विरुद्ध ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन अथवा रद्द करने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे नियमों का पालन कर स्वयं के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। यातायात पुलिस द्वारा की गई अनुशंसा के आधार पर परिवहन विभाग द्वारा विभिन्न जिलों में 2983 लाइसेंस निलंबित एवं 393 लाइसेंस रद्द किए गए हैं। प्राप्त अनुशंसा पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। वहीं पटना सहित कई जिलों में जिला परिवहन पदाधिकारियों (डीटीओ) द्वारा स्वतः संज्ञान लेते हुए 1065 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित तथा 104 लाइसेंस रद्द किए गए हैं। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन अठढफ कैमरों के माध्यम से उल्लंघनकताओं की पहचान की जा रही है। साथ ही, पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सघन वाहन जांच अभियान चलाए जा रहे हैं।

वैशाली में मानव तस्करी और देह व्यापार का खुलासा, दो बहनों का रेस्क्यू, 5 गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

वैशाली के करताहां थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने मानव तस्करी और देह व्यापार के एक संगठित गिरोह का पदार्फाश किया है। पारिवारिक कलह के कारण घर से निकली दो सगी बहनों को रेलवे स्टेशन से बहला-फुसलाकर पहले मोतिहारी ले जाया गया और फिर उन्हें पैसों के लालच में बेच दिया गया। एसडीपीओ गोपाल मंडल ने बताया कि बीते 24 नवंबर को दर्ज मामले में यह खुलासा हुआ है कि पारिवारिक कारणों से करताहां थाना क्षेत्र की दो बहनें घर से निकल गईं थी। हाजीपुर रेलवे स्टेशन पर दोनों बहनों की मुलाकात अमृता कुमारी नामक महिला से हुई। उसने दोनों को अपने झांसे में लेकर मोतिहारी स्थित किराये के मकान में रखा। कुछ ही दिनों बाद बड़ी बहन को पूजा देवी नाम की महिला के जरिए उसके पति लालू महतो को 10 हजार रुपये में बेच दिया गया। छोटी बहन को अमृता कुमारी ने अपने पास रखकर जबरन देह व्यापार में धकेला और विरोध करने पर मारपीट भी की। मामले की सूचना मिलने पर छतौनी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अमृता की निशानदेही पर छोटी बहन को मुक्त कराया। जांच आगे बढ़ने पर पूजा देवी के घर छापेमारी की गई, जहां से पता चला कि बड़ी बहन को कुन्दन कुमार, निवासी पताही, के हाथों बेच दिया गया था। संयुक्त पुलिस टीम ने पताही में छापेमारी कर बड़ी बहन को सकुशल रेस्क्यू कर लिया और कुन्दन कुमार को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि अमृता कुमारी, पूजा देवी, उनके पति लालू महतो, कंचन कुमारी और कुन्दन कुमार मिलकर रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड जैसी भीड़भाड़ वाली जगहों से गरीब लड़कियों को बहला-फुसलाकर खरीद-फरोख्त और देह व्यापार में धकेलते थे। पुलिस ने इस संगठित सेक्स रैकेट में शामिल तीन महिलाओं और दो पुरुषों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों सगी बहनों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है। गिरफ्तार सभी आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया जारी है।

पटना के गांधी मैदान में खेल कूद और दौड़ पर पूर्ण रोक

एजेंसी। पटना

पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान की तस्वीर अब बदलने वाली है। मैदान की घास को नुकसान, उड़ती धूल और बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। अब गांधी मैदान में युवक-युवतियां दौड़, कूद-फांद या प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े फिजिकल टेस्ट का अभ्यास नहीं कर सकेंगे। कोचिंग संस्थानों और निजी प्रशिक्षकों द्वारा कराए जा रहे शारीरिक अभ्यास पर पूर्ण रूप से रोक लगा दी गई है। लंबे समय से मिली शिकायतों के अनुसार फिजिकल ट्रेनिंग के कारण गांधी मैदान की हरियाली खत्म हो रही थी। मैदान में जगह-जगह गड्ढे बन गए, जिससे धूल उड़ती रहती थी और आसपास रहने वाले लोगों को सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। नागरिकों और सामाजिक संगठनों की लिखित शिकायतों के बाद मंगलवार को प्रमंडलीय आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया। युवाओं के शारीरिक अभ्यास पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई गई है, बल्कि इसके लिए वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराए गए हैं। अब प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अभ्यर्थी गंगा पथ, कलेक्ट्रेट घाट और अन्य निर्धारित स्थानों पर फिजिकल ट्रेनिंग कर सकेंगे, जहां पर्याप्त जगह और बेहतर सुविधाएं मौजूद हैं। गांधी मैदान को फिर से हरा-भरा और स्वच्छ बनाने के लिए कई स्तर पर काम किया जाएगा। धूल नियंत्रण के लिए सुबह और शाम नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जाएगा, ताकि इलाके में बढ़ते अदक स्तर को नियंत्रित किया जा सके। खाली और क्षतिग्रस्त जगहों पर नई घास लगाई जाएगी। जहां पेड़-पौधों की कमी है, वहां पौधारोपण किया जाएगा। श्रीकृष्ण स्मारक विकास समिति को गांधी मैदान के सौंदर्यकरण और विकास से जुड़े सुझावों पर अमल करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मैदान के अंदर बने वॉकिंग ट्रैक और पाथ-वे की भी मरम्मत की जाएगी। टूटे ट्रैक को दुरुस्त किया जाएगा और जरूरत के अनुसार नए वॉकिंग ट्रैक बनाए जाएंगे, ताकि आम लोग सुरक्षित तरीके से टहल सकें। सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत किया जाएगा।

बिहार को मिली यूथ नेशनल गेम्स की मेजबानी, पटना में ओलिंपिक स्तर का खुलेगा फेंसिंग सेंटर

एजेंसी। पटना

बिहार के खेल परिदृश्य में एक ऐतिहासिक बदलाव की शुरूआत हो चुकी है। राज्य में पहली बार तलवारबाजी के लिए ओलिंपिक स्तर का ट्रेनिंग सेंटर खोलने को केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने स्वीकृति दे दी है। यह सहमति राज्य की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह के प्रस्ताव पर दी गई है। इस फैसले से बिहार के फेंसिंग खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण और ओलिंपिक पदक की दिशा में ठोस तैयारी का अवसर मिलेगा।प्रस्तावित सेंटर पटना में स्थापित किया जाएगा। यहां खिलाड़ियों को इलेक्ट्रॉनिक स्कोरिंग सिस्टम, अंतरराष्ट्रीय मानकों वाले सुरक्षा उपकरण और आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। खेल विभाग का मानना है कि यह सुविधा बिहार के खिलाड़ियों को देश ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाएगी। तलवारबाजी जैसे तकनीकी खेल में यह सेंटर खिलाड़ियों के प्रदर्शन को नई धार और तकनीकी विशेषज्ञता देगा। मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय खेल मंत्री के सरकारी आवास पर हुई बैठक में खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रण शंकरण, उप निदेशक हिमांशु सिंह और राज्य के खेल सलाहकारों के साथ यह प्रस्ताव रखा। केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने इसे तुरंत स्वीकार किया। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री ने जनवरी में आयोजित होने वाले ह्यखेल मंथन शिविरह्ण में बिहार की टीम को आमंत्रित किया है। इस शिविर में देशभर में ओलिंपिक ट्रेनिंग सेंटर खोलने और पदक जीतने की रणनीति पर मंथन किया जाएगा। खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने अगले वर्ष मई में चीन के अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स एक्सपो में भाग लेने का प्रस्ताव रखा, जिसे केंद्रीय मंत्री ने स्वीकार किया। इस एक्सपो में बिहार की टीम वैश्विक खेल तकनीक, प्रशिक्षण मॉडल और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ने का अवसर पाएगी।

यूथ नेशनल गेम्स की मेजबानी बिहार में

खेल विभाग के अनुसार, वर्ष 2028 में बिहार को यूथ नेशनल गेम्स की मेजबानी का अवसर मिला है। भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा ने इसकी स्वीकृति दी है। यह आयोजन राज्य में खेल संस्कृति को नई पहचान देगा और युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

राज्य में खेलों का व्यापक विकास

ओलिंपिक ट्रेनिंग सेंटर और यूथ नेशनल गेम्स की मेजबानी के साथ, बिहार के खेल ढांचे में गहन सुधार, नए कोचिंग मॉडल और प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार होगा। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि बिहार के युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने में सक्षम बनें। इसके साथ ही राज्य में खेलों को प्रोफेशनल अवसर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का मंच भी मिलेगा। यह निर्णय बिहार के खेल इतिहास में मील का पत्थर माना जा रहा है और राज्य को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करेगा।

सीवान को मिला तोहफा, सदर अस्पताल में क्रिटिकल केयर ब्लॉक का मंत्री मंगल पांडेय ने किया शिलान्यास

एजेंसी। पटना

बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने सीवान सदर अस्पताल परिसर में 50 बेड वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक (सीसीबी) का शिलान्यास किया। यह परियोजना बिहार चिकित्सा सेवाएं एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड द्वारा 23 करोड़ 75 लाख रुपये की लागत से पूरी की जाएगी।इस क्रिटिकल केयर ब्लॉक में डायलिसिस यूनिट, आइसोलेशन वार्ड, आईसीयू, ऑपरेशन थिएटर सहित अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को बेहतर और त्वरित इलाज मिल सकेगा। शिलान्यास समारोह में एनडीए के कई विधायक और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि 23 करोड़ 75 लाख रुपये की लागत से बनने वाला यह 50 बेड का क्रिटिकल केयर ब्लॉक एक वर्ष में बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अब तक गंभीर मरीजों को पटना या अन्य बड़े शहरों में रेफर करना पड़ता था, लेकिन इस ब्लॉक के शुरू होने से सीवान में ही गंभीर बीमारियों का उन्नत इलाज संभव हो सकेगा।